पंजाब केसरी
THU,26 JUNE 2025
EDITION: SONIPAT KESARI, PAGE NO. 1

महिला विश्वविद्यालय में विधि कक्षाओं में प्रवेश प्रक्रिया प्रारंभ

गोहाना, 25 जून (अरोड़ा): भगत फूल सिंह महिला विश्वविद्यालय के विधि विभाग द्वारा शैक्षणिक सत्र 2025-26 के लिए बी.ए. एल.एल.बी., बी.बी.ए., एल.एल.बी. (5 वर्षीय एकीकृत पाठ्यक्रम) एवं एल.एल.एम. (2 वर्षीय स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम) में प्रवेश की प्रक्रिया विधिवत रूप से आरंभ कर दी गई है।

विभागाध्यक्ष डॉ. सीमा दहिया के अनुसार विभाग का प्रमुख उद्देश्य छात्राओं को विधिक ज्ञान, नैतिक मूल्यों, तार्किक क्षमता एवं सामाजिक उत्तरदायित्व से युक्त कर उन्हें न्याय व्यवस्था का प्रभावी अंग बनाना है।

बी.ए., एल.एल.बी. के पाठ्यक्रम की मुख्य विशेषताएं जैसे संविधान, आपराधिक न्यायशास्त्र, सिविल प्रक्रिया संहिता, मानवाधिकार कानून, वैकल्पिक विवाद समाधान, कानूनी अनुसंधान व लेखन है।

डॉ. सीमा दहिया ने बी.बी.ए., एल.एल.बी. के पाठ्यक्रम की विशेषताएं बताते हुए कहा कि कॉर्पोरेट लॉ, टैक्सेशन, मर्जर-अक्विजिशन, कानून, कॉन्ट्रैक्ट ड्राफ्टिंग, व्यावसायिक नैतिकता में रोजगार के रूप में कॉर्पोरेट विधिक विशेषज्ञ, कंपनी सचिव, बिजनैस लॉयर, बैंकिंग व वित्तीय संस्थानों में विधिक अधिकारी बन सकते हैं।

उनके अनुसार एल.एल.एम. पाठ्यक्रम मुख्यत: अनुसंधान पद्धति, अंतर्राष्ट्रीय कानून, बौद्धिक संपदा अधिकार, महिला और विधि, पर्यावरणीय कानून आदि के लिए है।

विधि कक्षाओं में प्रवेश की प्रक्रिया प्रारंभ

गोहाना मुद्रिका, 25 जून : भगत फूल सिंह महिला विश्वविद्यालय के विधि विभाग द्वारा शैक्षणिक सत्र 2025-26 के लिए बी.ए. एल.एल.बी., बी.बी.ए., एल.एल.बी. (पांच वर्षीय एकीकृत पाठ्यक्रम) एवं एल. एल.ए.म (दो वर्षीय स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम) में प्रवेश की प्रक्रिया विधिवत रूप से आरंभ कर दी गई है। विभागाध्यक्ष डॉ सीमा दहिया के अनुसार विभाग का प्रमुख उद्देश्य छात्राओं को विधिक ज्ञान, नैतिक मूल्यों, तार्किक क्षमता एवं सामाजिक उत्तरदायित्व से युक्त कर उन्हें न्याय व्यवस्था का प्रभावी अंग बनाना है। बी.ए., एल.एल.बी. के पाठ्यक्रम की मुख्य विशेषताएं जैसे संविधान, आपराधिक न्यायशास्त्र, सिविल प्रक्रिया संहिता, मानवाधिकार कानून, वैकल्पिक विवाद समाधान, कानूनी अनुसंधान व लेखन है। डॉ सीमा दहिया ने बी.बी.ए., एल.एल.बी. के पाठ्यक्रम की विशेषताएं बताते हुए कहा कि कॉरपोरेट लॉ, टैक्सेशन, मर्जर-अक्विजिशन, कानून, कॉन्ट्रैक्ट ड्राफ्टिंग, व्यावसायिक नैतिकता में रोज़गार के रूप में कॉरपोरेट विधिक विशेषज्ञ, कंपनी सचिव, बिज़नेस लॉयर, बैंकिंग व वित्तीय संस्थानों में विधिक अधिकारी बन सकते है। उनके अनुसार एल.एल.एम. पाठ्यक्रम मुख्यत: अनुसंधान पद्धति, अंतरराष्ट्रीय कानून, बौद्धिक संपदा अधिकार, महिला और विधि, पर्यावरणीय कानून आदि के लिए है।

शैक्षणिक सत्र 2025-26 हेतु बी ए एल एल बी

बी बी ए एल एल बी एवं एल एल एम पाठ्यक्रमों में प्रवेश प्रक्रिया प्रारंभ, 2 जुलाई अंतिम तिथि

कानूनी शिक्षा के माध्यम से सशक्तिकरण की दिशा में एक प्रभावशाली पहल

जन जागरण संदेश

गोहाना, (अनिल जिंदल), 25 जून : भगत फूल सिंह महिला विश्वविद्यालय, खानपुर कलां का विधि विभाग अपने उत्कृष्ट अकादमिक वातावरण, गुणवत्तापूर्ण शिक्षण परंपरा और समग्र विकास की दृष्टि से राज्य का एक प्रमुख शिक्षण संस्थान है। विधि विभाग द्वारा शैक्षणिक सत्र 2025-26 के लिए बी ए एल एल बी , बी बी ए एल एल बी (पांच वर्षीय एकीकृत पाठ्यक्रम) एवं एल एल एम (दो वर्षीय स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम) में प्रवेश की प्रक्रिया विधिवत रूप से आरंभ कर दी गई है। विभागाध्यक्ष डॉ सीमा दहिया ने जानकारी देते हुए बताया कि विभाग का प्रमुख उद्देश्य छात्राओं को विधिक ज्ञान, नैतिक मूल्यों, तार्किक क्षमता एवं सामाजिक उत्तरदायित्व से युक्त कर उन्हें न्याय व्यवस्था का प्रभावी अंग बनाना है।डॉ दहिया ने बताया कि बी ए एल एल बी के पाठ्यक्रम की मुख्य विशेषताएं जैसे संविधान, आपराधिक न्यायशास्त्र, सिविल प्रक्रिया संहिता, मानवाधिकार कानून, वैकल्पिक विवाद समाधान, कानूनी अनुसंधान व लेखन है। उन्होंने कहा कि विधि लॉ छात्राओं के लिए रोजगार के अवसर बहुत अपार है जिनमें अधिवक्ता, न्यायिक अधिकारी, विधिक सलाहकार, मानवाधिकार कार्यकर्ता, एन जी ओ , नीति विश्लेषक है। डॉ सीमा दहिया ने बी बी ए एल बी के पाठ्यक्रम की विशेषताएँ बताते हुए कहा कि कॉरपोरेट लॉ, टैक्सेशन, मर्जर-अक्विजिशन, कानून, कॉन्ट्रैक्ट ड्राफ्टिंग, व्यावसायिक नैतिकता है, और इसमें रोज़गार के रूप में कॉरपोरेट विधिक विशेषज्ञ, कंपनी सचिव, बिज़नेस लॉयर, बैंकिंग व वित्तीय संस्थानों में विधिक अधिकारी बन सकते है। डॉ सीमा दहिया ने एल एल एम पाठ्यक्रम की विशेषताओं पर प्रकाश डालते हुए बताया कि अनुसंधान पद्धति, अंतरराष्ट्रीय कानून, बौद्धिक संपदा अधिकार, महिला और विधि, पर्यावरणीय कानून मुख्यत है। इसमें रोजगार के भी विभिन्न अवसर है जिसमें यू जी सी -नेट , शोधकर्ता, विधि प्राध्यापक, नीति विश्लेषक, उच्च न्यायिक परीक्षाओं हेतु तैयारी है। उन्होंने विभाग की विशेषताओं पर जोर देते हुए बताया कि अत्याधुनिक स्मार्ट कक्षाएं एवं डिजिटल शिक्षण संसाधन नियमित रूप से आयोजित मूट कोर्ट प्रतियोगिता, वर्कशॉप एवं विधिक जागरूकता शिविर ,उच्च न्यायालय व सुप्रीम कोर्ट में इंटर्नशिप की समुचित व्यवस्था, अनुभवी, शोधपरक एवं छात्रोन्मुखी संकाय सदस्यों द्वारा मार्गदर्शन, उत्कृष्ट पुस्तकालय व विधिक डेटाबेस एक्सेस की सुविधा है। डॉ सीमा दहिया ने कहा कि विश्वविद्यालय का विधि विभाग न केवल छात्राओं को विषय में दक्ष बनाता है, बल्कि उन्हें समकालीन सामाजिक, राजनीतिक और वैश्विक विधिक चुनौतियों से जूझने हेतु तैयार करता है।

विवि में बीए एलएलबी व एलएलएम में प्रवेश प्रारंभ

जासं, गोहाना : भगत फूल सिंह महिला विश्वविद्यालय के विधि विभाग द्वारा शैक्षणिक सत्र 2025-26 के लिए बीए एलएलबी, बीबीए एलएलबी और एलएलएम में बुधवार को प्रवेश प्रक्रिया प्रारंभ कर दी। एलएलएम दो वर्ष और एलएलबी के दोनों कोर्स पांच वर्ष के होंगे। विभागाध्यक्ष डा. सीमा दहिया के अनुसार इन कोर्सों में दाखिलों के लिए दो जुलाई तक आवेदन किया जा सकेगा। विभाग का उद्देश्य छात्राओं को विधिक ज्ञान, नैतिक मूल्यों, तार्किक क्षमता एवं सामाजिक उत्तरदायित्व से युक्त कर उन्हें न्याय व्यवस्था का प्रभावी अंग बनाना है। कानून के क्षेत्र में छात्राओं के लिए अधिवक्ता, न्यायिक अधिकारी, विधिक सलाहकार, मानवाधिकार कार्यकर्ता, एनजीओ व नीति विश्लेषक में रोजगार की काफी संभावनाएं हैं। बीबीए एलएलबी की पढ़ाई के बाद कारपोरेट विधिक विशेषज्ञ, कंपनी सचिव, बिजनेस लायर, बैंकिंग व वित्तीय संस्थानों में विधिक अधिकारी बन सकते हैं।

बीए एलएलबी, बीबीए एलएलबी और एलएलएम पाठ्यक्रमों में प्रवेश प्रारंभ

छात्राएं 2 जुलाई तक कर सकती हैं आवेदन

हरिभूमि न्यूज ▸▸ गोहाना

भगत फूल सिंह महिला विश्वविद्यालय, खानपुर कलां के विधि विभाग द्वारा शैक्षणिक सत्र 2025-26 के लिए बीए एलएलबी, बीबीए एलएलबी (पांच वर्षीय एकीकृत पाठ्यक्रम) एवं दो वर्षीय एलएलएम पाठ्यक्रम में प्रवेश प्रक्रिया प्रारंभ कर दी गई है। विभागाध्यक्ष डॉ. सीमा दहिया के अनुसार विभाग का प्रमुख उद्देश्य छात्राओं को विधिक ज्ञान, नैतिक मूल्यों, तार्किक क्षमता एवं सामाजिक उत्तरदायित्व से युक्त कर उन्हें न्याय व्यवस्था का प्रभावी अंग बनाना है। डॉ. दहिया ने कहा कि बीए एलएलबी के पाठ्यक्रम की मुख्य विशेषताएं संविधान, आपराधिक न्यायशास्त्र, सिविल प्रक्रिया संहिता, मानवाधिकार कानून, वैकल्पिक विवाद समाधान, कानूनी अनुसंधान व लेखन है। कानून के क्षेत्र में छात्राओं के लिए अधिवक्ता, न्यायिक अधिकारी, विधिक सलाहकार, मानवाधिकार कार्यकर्ता, एनजीओ व नीति विश्लेषक में रोजगार की काफी संभावनाएं हैं। विभागाध्यक्ष के अनुसार बीबीए एलएलबी की पढाई के बाद कॉरपोरेट विधिक विशेषज्ञ, कंपनी सचिव, बिजनेस लॉयर, बैंकिंग व वित्तीय संस्थानों में विधिक अधिकारी बन सकते हैं। एलएलएम करने के बाद यूजीसी-नेट , शोधकर्ता, विधि प्राध्यापक, नीति विश्लेषक बनने के साथ उच्च न्यायिक परीक्षाओं की तैयारी कर सकते हैं।

विधि विभाग में हैं ये सुविधाएं

डॉ. सीमा दहिया के अनुसार विवि के विधि विभाग में अत्याधुनिक स्मार्ट कक्षाएं एवं डिजिटल शिक्षण संसाधन नियमित रूप से आयोजित मूट कोर्ट प्रतियोगिता, वर्कशॉप एवं विधिक जागरूकता शिविर, उच्च न्यायालय व सुप्रीम कोर्ट में इंटर्नशिप की समुचित व्यवस्था, अनुभवी सदस्यों द्वारा मार्गदर्शन के साथ उत्कृष्ट पुस्तकालय व विधिक डेटाबेस एक्सेस की सुविधा है।

व्यावहारिक मार्गदर्शन देगा।

मिशन एडमिशन • 2 जुलाई तक ऑनलाइन आवेदन कर सकेंगी छात्राएं

महिला विवि में बीए, बीबीए, एलएलबी व एलएलएम के लिए दाखिला प्रक्रिया शुरू

भास्कर न्यूज | गोहाना

बीपीएस महिला विवि में बीए व बीबीए एलएलबी के अलावा एलएलएम के लिए दाखिला प्रक्रिया शुरू हो गई है। विधि विभाग के शैक्षणिक सत्र 2025-26 के तहत पाठ्यक्रमों में दाखिला लेने के लिए छात्राएं 2 जुलाई तक ऑनलाइन आवेदन कर सकेंगी।

महिला विवि के विवि विभाग की अध्यक्ष डॉ. सीमा दहिया ने बताया कि विभाग का प्रमुख उद्देश्य छात्राओं को विधिक ज्ञान, नैतिक मूल्यों, तार्किक क्षमता एवं सामाजिक उत्तरदायित्व से युक्त कर उन्हें न्याय व्यवस्था का प्रभावी अंग बनाना है। बीएएलएलबी के पाठ्यक्रम की मुख्य विशेषताएं संविधान, आपराधिक न्यायशास्त्र, सिविल प्रक्रिया संहिता, मानवाधिकार कानून, वैकल्पिक विवाद समाधान, कानूनी अनुसंधान व लेखन है। उन्होंने कहा कि विधि विभाग में लॉ की छात्राओं के लिए रोजगार के अवसर बहुत अपार है, जिनमें अधिवक्ता, न्यायिक अधिकारी, विधिक सलाहकार, मानवाधिकार कार्यकर्ता, एनजीओ व नीति विश्लेषक शामिल हैं। इसके अलावा बीबीए एलएलबी के पाठ्यक्रम में कॉरपोरेट लॉ, टैक्सेशन, मर्जर-एक्विजिशन, कानून, कॉन्ट्रैक्ट ड्राफ्टिंग, व्यावसायिक नैतिकता है। इसमें रोजगार के रूप में कॉरपोरेट विधिक विशेषज्ञ, कंपनी सचिव, बिजनेस लॉयर, बैंकिंग व वित्तीय संस्थानों में विधिक अधिकारी बन सकते हैं। वहीं एलएलएम पाठ्यक्रम में अनुसंधान पद्धति, अंतरराष्ट्रीय कानून, बौद्धिक संपदा अधिकार, महिला और विधि, पर्यावरणीय कानून मुख्य हैं। इसमें रोजगार के रूप में यूजीसी-नेट, शोधकर्ता, विधि प्राध्यापक, नीति विश्लेषक आदि शामिल हैं। उनके अनुसार महिला विवि में संचालित विधि विभाग में अत्याधुनिक स्मार्ट कक्षाएं एवं डिजिटल शिक्षण संसाधन नियमित रूप से आयोजित मूट कोर्ट प्रतियोगिता, वर्कशॉप एवं विधिक जागरूकता शिविर, उच्च न्यायालय व सुप्रीम कोर्ट में इंटर्नशिप की समुचित व्यवस्था, अनुभवी, शोधपरक एवं छात्रोन्मुखी संकाय सदस्यों द्वारा मार्गदर्शन, उत्कृष्ट पुस्तकालय व विधिक डेटाबेस एक्सेस की सुविधा है। उन्होंने कहा कि विधि विभाग न केवल छात्राओं को विषय में दक्ष बनाता है, बल्कि उन्हें समकालीन सामाजिक, राजनीतिक और वैश्विक विधिक चुनौतियों से जूझने के लिए तैयार करता है।